



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1359]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 13, 2006/कार्तिक 22, 1928

No. 1359]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 13, 2006/KARTIKA 22, 1928

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुंबई, 13 नवम्बर, 2006

प्रतिभूति संविदा ( विनियमन )

( मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों में सार्वजनिक शेयरधारण को बढ़ाने और बनाए रखने की रीति )

विनियम, 2006

का.आ. 1950(अ).—बोर्ड प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 4ख की उप-धारा (8) के साथ पठित धारा 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :-

## अध्याय 1

## प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) इन विनियमों को प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों में सार्वजनिक शेयरधारण को बढ़ाने और बनाए रखने की रीति) विनियम, 2006 कहा जा सकेगा ।

(2) वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएँ.— (1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:-

(क) "अधिनियम" से प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) अभिप्रेत है ;

(ख) "सहयुक्त", मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में व्यापारिक अधिकार रखने वाले शेयरधारक के संबंध में, से वह व्यक्ति अभिप्रेत है-

(i) जो प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, स्वयं द्वारा या अन्य व्यक्तियों के साथ, ऐसे शेयरधारक पर नियंत्रण प्रयुक्त करता है या ऐसे शेयरधारक में मताधिकारों के पद्धत प्रतिशत से अन्यून का हकदार बनाने वाले पर्याप्त शेयरों को धारण करता है, निगमित निकाय होते हुए; या

(ii) जिस पर ऐसा शेयरधारक, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, स्वयं द्वारा या अन्य व्यक्तियों के साथ, नियंत्रण प्रयुक्त करता है ; या

(iii) जिसका निदेशक या भागीदार ऐसे शेयरधारक, निगमित निकाय या भागीदारी फर्म होते हुए, यथास्थिति, का निदेशक या भागीदार भी है ; या

(iv) जो ऐसे शेयरधारक की नियंत्री कंपनी या समनुषंगी कंपनी अथवा ऐसे शेयरधारक की हैसियत से उसी प्रबंधतंत्र के अधीन कंपनी है ; या

- (v) जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की अनुसूची 1क के अधीन, प्रकृत व्यक्ति होते हुए, शेयरधारक का नातेदार है ; या
- (vi) जो उस स्टॉक एक्सचेंज में शेयरधारक का उप-दलाल है ; या
- (vii) जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में मल्लाधिकारों और अन्य अधिकारों का प्रयोग करते हुए ऐसे शेयरधारक के अनुदेशों के अनुसार कार्य करता है, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः ।
- (ग) "बोर्ड" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 3 के उपबंधों के अधीन स्थापित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अभिप्रेत है ;
- (घ) "कंपनी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 3 में यथा परिभाषित कंपनी अभिप्रेत है ;
- (ङ) "नियंत्रण" का अर्थ भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 के विनियम 2 के उप विनियम (1) के खण्ड (ग) में इसके लिए नियत है ;
- (च) "विक्रय के लिए प्रस्थापना" से इक्विटी शेयरों के विक्रय के लिए प्रस्थापना अभिप्रेत है, उसमें व्यापारिक अधिकार रखने वाले मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के शेयरधारकों द्वारा जनता को ;
- (छ) "निजी स्थानन" से किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह, व्यापारिक अधिकार रखने वाले शेयरधारक या किसी ऐसे शेयरधारक का सहयुक्त न होते हुए, के प्रति आधमानी आधार पर और/या निजी स्थानन के माध्यम से मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज द्वारा किया गया इक्विटी शेयरों का निर्गमन अभिप्रेत है, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 81 की उप-धारा (1क) के अधीन पारित विशेष संकल्प के अनुसरण में ;
- (ज) "जनता" में जनता का कोई सदस्य या वर्ग सम्मिलित है किन्तु मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज का कोई शेयरधारक, उसमें व्यापारिक अधिकार रखने वाला, या ऐसे शेयरधारक का कोई सहयुक्त सम्मिलित नहीं है ;
- (झ) "स्कीम" से अधिनियम की धारा 4ख के अधीन बोर्ड द्वारा अनुमोदित मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के निगमीकरण या अपरस्पीरीकरण के लिए स्कीम अभिप्रेत है ;
- (2) इन विनियमों में उपयोग किये गये किन्तु अपरिभाषित सभी अन्य शब्दों और पदों, किन्तु अधिनियम में या कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) में या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) या उनके अधीन बनाये गये नियमों और विनियमों में या स्कीम में परिभाषित, के वही अर्थ होंगे जो ऐसे अधिनियमों या उनके अधीन बनाये गये नियमों या विनियमों या स्कीम या उसके किसी कानूनी अपांतर या पुनः अधिनियमिति, यथास्थिति, में क्रमशः उनके लिए नियत हैं ।

3. लागू होना.—ये विनियम सभी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों जिनकी बाबत निगमीकरण या अपरस्पीरीकरण के लिए स्कीम अधिनियम की धारा 4ख के अधीन बोर्ड द्वारा अनुमोदित की गयी है के प्रति लागू होंगे ।

## अध्याय II

### सार्वजनिक शेयरधारण बढ़ाने की रीति

4. सार्वजनिक शेयरधारण बढ़ाने की रीति.—अधिनियम की धारा 4ख की उप-धारा (8) के उपबंधों और स्कीम के अध्यक्षीन, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज यह सुनिश्चित करेगा कि इसकी इक्विटी शेयर पूँजी का कम से कम इक्यावन प्रतिशत जनता द्वारा धारित है, या तो विवरण पत्रिका (प्रस्पेक्टस) के निर्गमन के माध्यम से जनता को इक्विटी शेयरों के नये निर्गम द्वारा निम्नलिखित रीति में :—

- (क) विक्रय के लिए प्रस्थापना, विवरण पत्रिका के निर्गमन द्वारा, उसमें व्यापारिक अधिकार रखने वाले शेयरधारकों द्वारा धारित शेयरों के ;
- (ख) ऐसे व्यक्तियों या संस्थाओं को व्यापारिक अधिकार रखने वाले शेयरधारकों द्वारा धारित शेयरों का स्थानन जिन्हें बोर्ड के अनुमोदन से मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज द्वारा लघुसूचीबद्ध किया जाए ;
- (ग) किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह, व्यापारिक अधिकार रखने वाले शेयरधारक या उनके सहयुक्त न होते हुए, को मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज द्वारा निजी स्थानन आधार पर इक्विटी शेयरों के निर्गमन, बोर्ड के अनुमोदन के अध्यक्षीन ; या
- (घ) उपर्युक्त का कोई संयोजन ।

5. जनता को इक्विटी शेयरों के नये निर्गम के लिए या विक्रय के लिए प्रस्थापना के लिए प्रक्रिया.—(1) विवरण पत्रिका के माध्यम से जनता को इक्विटी शेयरों का कोई नया निर्गम या विक्रय के लिए प्रस्थापना कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) और पूँजी के निर्गमन संबंधी बोर्ड के मार्गदर्शक सिद्धांतों या विनियमों के उपबंधों के अनुपालन में होगी ।

(2) जहाँ जनता को इक्विटी शेयरों का कोई नया निर्गम या विक्रय के लिए प्रस्थापना विनियम 4 के खंड (क) के अधीन की जाती है, वहाँ उसकी सूचीबद्धता के लिए आवेदन उसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या किसी अन्य मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज को किया जाएगा और

कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 73 ऐसे आवेदन के प्रति लागू होगी और सार्वजनिक निर्गम संबंधी भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रकटीकरण और निवेशक संरक्षण) मार्गदर्शक सिद्धांत, 2000 (या उसके किसी कानूनी रूपांतर या प्रतिस्थापन) के उपबंध यथाशक्य ऐसी विक्रय के लिए प्रस्थापना के प्रति लागू होंगे।

(3) उसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के इक्विटी शेयरों या अन्य प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता ऐसी शर्तों के अनुपालन में की जाएगी जो बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट की जायें।

6. निजी स्थानन.—(1) जहाँ मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज जिसके शेयर किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं होते हैं विनियम 4 के खंड (ग) के प्रयोजनों के लिए निजी स्थानन करता है, वहाँ ऐसा निजी स्थानन लागू विधिक उपबंधों, जिनमें कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) और अनलिस्टिड पब्लिक कंपनीज (प्रेफरेंशियल एलॉटमेंट) नियम, 2003 के उपबंध सम्मिलित हैं, के अनुपालन में होगा।

(2) जहाँ मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज जिसके इक्विटी शेयर किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होते हैं, इक्विटी शेयरों का निजी स्थानन करता है, वहाँ ऐसा स्थानन कंपनी अधिनियम, 1956 और पूँजी के अधिमानि निर्गम संबंधी बोर्ड के मार्गदर्शक सिद्धांतों या विनियमों के उपबंधों के अनुसार होगा :

परंतु यह कि जहाँ स्थानन उप-विनियम (1) या उप-विनियम (2) के अधीन पचास या अधिक व्यक्तियों को किया जाता है, वहाँ यह कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) और पूँजी के सार्वजनिक निर्गम संबंधी बोर्ड के मार्गदर्शक सिद्धांतों या विनियमों के उपबंधों के अनुपालन में होगा।

7. धारा 4ख की उप-धारा (8) के अनुपालन की पुष्टि.—जब बोर्ड का यह समाधान हो जाता है कि किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज ने इस अध्याय के साथ पठित धारा 4ख की उप-धारा (8) के उपबंधों का अनुपालन किया है, तब यह मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज को उसा भाव की पुष्टि जारी करेगा।

### अध्याय III

#### शेयरधारण निर्बंधन

8. शेयरधारण और अंतरणीयता निर्बंधन.—(1) कोई भी व्यक्ति, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, इन विनियमों के प्रारंभ के पश्चात् किसी भी समय मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की समादत्त इक्विटी पूँजी में पाँच प्रतिशत से अधिक का अर्जन या धारण नहीं करेगा :

परंतु यह कि इन विनियमों के प्रारंभ पर इस विनियम में विनिर्दिष्ट सीमाओं से अधिक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में इक्विटी शेयरों को धारण करने वाला कोई व्यक्ति अधिनियम की धारा 4ख की उप-धारा (8) में विनिर्दिष्ट समय या उसके परंतुक के अधीन बढ़ाये गये समय के भीतर इस विनियम का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अपनी धारिता में कमी करेगा।

(2) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में व्यापारिक अधिकार रखने वाला कोई भी शेयरधारक, विनियम 7 के अधीन पुष्टि के जारी किये जाने से पूर्व, ऐसे मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में अपने शेयरों का अंतरण अध्याय II के अनुसार से अन्यथा किसी व्यक्ति को नहीं करेगा।

9. मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में एक प्रतिशत से अधिक इक्विटी शेयर अर्जित करने वाले या धारण करने वाले व्यक्तियों के लिए पात्रता मानदंड.—(1) कोई भी व्यक्ति, या तो अलग-अलग या उसके साथ सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, इन विनियमों के प्रारंभ के पश्चात् मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की समादत्त इक्विटी पूँजी के एक प्रतिशत से अधिक का अर्जन और/या धारण नहीं करेगा, जब तक कि वह उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति न हो और ऐसा करने के लिए बोर्ड का पूर्व अनुमोदन न ले लिया गया हो।

(2) उप-विनियम (1) के प्रयोजन के लिए, व्यक्ति को उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति समझा जायेगा यदि—

(i) ऐसे व्यक्ति की साधारण ख्याति हो और निष्पक्षता तथा सत्यनिष्ठा का रिकार्ड हो, जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित है किंतु निम्नलिखित तक ही सीमित नहीं है—

(क) वित्तीय निष्ठा ;

(ख) अच्छी ख्याति और चरित्र; और

(ग) ईमानदारी।

(ii) ऐसे व्यक्ति ने निम्नलिखित निरर्हताओं में कोई उपगत न की हो—

(क) व्यक्ति या इसके पूर्णकालिक निदेशकों या प्रबंध भागीदारों में से किसी को किसी अपराध जिसमें नैतिक अधमता या कोई आर्थिक अपराध अंतर्वलित हो, या प्रतिभूति विधियों के प्रति किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा सिद्धदोष ठहराया गया है ;

(ख) परिसमापन के लिए आदेश व्यक्ति के खिलाफ पारित किया गया है ;

(ग) व्यक्ति या इसके पूर्णकालिक निदेशकों या प्रबंध भागीदारों में से किसी को दिवालिया घोषित किया गया है और उन्मोचित नहीं किया गया है ;

(घ) व्यक्ति, या इसके पूर्णकालिक निदेशकों या प्रबंध भागीदारों को पूँजी बाजार में प्रतिभूतियों में व्यौहार करने से या पूँजी बाजार में पहुंचे रखने से अवरुद्ध करते हुए, प्रतिषिद्ध करते हुए या विवर्जित करते हुए, कोई आदेश बोर्ड या किसी अन्य

विनियामक प्राधिकरण द्वारा पारित किया गया है और आदेश में विनिर्दिष्ट कालावधि की समाप्ति की तारीख से तीन वर्षों की कालावधि बीत नहीं गयी है;

(ड) व्यक्ति या इसके पूर्णकालिक निदेशकों या प्रबंध भागीदारों में से किसी के खिलाफ पारित कोई अन्य आदेश, जो पूँजी बाजार से संबंधित हो, बोर्ड या किसी अन्य विनियामक प्राधिकरण द्वारा पारित किया गया है और आदेश की तारीख से तीन वर्षों की कालावधि बीत नहीं गयी है;

(च) सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा यह निष्कर्ष निकाला गया है कि व्यक्ति विकृत चित्त का है और निष्कर्ष प्रवर्तनशील है; और

(छ) व्यक्ति वित्तीय रूप से सुदृढ़ नहीं है।

(3) यदि इस विषय पर कोई प्रश्न उठता है कि क्या व्यक्ति उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति है, तो ऐसे प्रश्न पर बोर्ड का विनिश्चय अंतिम होगा।

10. गैर-कागजीकरण.—मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज जिसने इक्विटी शेयर निर्गमित किये हैं या जिसके इक्विटी शेयरों को विक्रय के लिए प्रस्थापित किया जाता है, इन विनियमों में उपबंधित रीति में,—

(क) निर्गमित किये जाने के लिए प्रस्तावित या विक्रय किये जाने के लिए प्रस्तावित इक्विटी शेयरों के गैर-कागजीकरण के लिए निक्षेपागारों के साथ करार करेगा; और

(ख) शेयर प्रमाणपत्र प्राप्त करने या निक्षेपागार के पास गैर-कागजी रूप में शेयरों को धारण करने लिए अभिदाताओं या अंतरितियों को विकल्प देगा।

11. मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की बाध्यताएँ.—(1) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज अनुश्रवण करेगा और सुनिश्चित करेगा :—

(क) कि उसमें इक्विटी शेयरों का कोई अंतरण या निर्गमन इन विनियमों के अनुसार से अन्यथा नहीं किया जाता है;

(ख) कि इसकी इक्विटी शेयर पूँजी का कम से कम इक्यावन प्रतिशत लगातार जनता द्वारा धारित है; और

(ग) कि विनियम 8 और 9 में अंतर्विष्ट निर्बंधनों का अनुपालन उसमें शेयरधारण की बाबत किया जाता है।

(2) अधिनियम और उसके अधीन बनाये गये नियमों के उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज प्रत्येक तिमाही की समाप्ति से पंद्रह दिनों के भीतर तिमाही आधार पर निम्नलिखित को प्रकट करते हुए बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे :—

(क) दस बड़े शेयरधारकों के नाम उनके द्वारा धारित शेयरों की संख्या और उनके प्रतिशत शेयरधारण के साथ;

(ख) विनियम 8 के अधीन आने वाले शेयरधारकों के नाम जिन्होंने उस तिमाही में शेयर अर्जित किये थे;

(ग) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में शेयरधारण पैटर्न ऐसे रूपविधान (फॉर्मेट) में जो बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाये।

(3) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज प्रत्येक तिमाही की समाप्ति से पंद्रह दिनों के भीतर तिमाही आधार पर बोर्ड को उप-विनियम (1) के उपबंधों के अनुपालन की पुष्टि करते हुए वचन प्रस्तुत करेगा।

(4) इस विनियम में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, बोर्ड समय-समय पर मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज, व्यापारिक अधिकार रखने वाले किसी शेयरधारक या ऐसे शेयरधारक द्वारा धारित शेयरों के किसी अंतरिती से कोई जानकारी मंगा सकेगा, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 और उनके अधीन बनाये गये नियमों और विनियमों के उपबंधों के अधीन।

(5) कंपनी अधिनियम, 1956 के उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज दस वर्षों की कालावधि के लिए इन विनियमों के अधीन इक्विटी शेयरों के निर्गमन या विक्रय से संबंधित समस्त बहियों, रजिस्ट्रों, अन्य दस्तावेजों और अभिलेखों को बनाए रखेगा और परिरक्षित रखेगा।

#### अध्याय IV

#### बोर्ड की शक्तियाँ

12. निरीक्षण की शक्तियाँ.—(1) बोर्ड किसी भी समय मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या उसमें व्यापारिक अधिकार रखने वाले शेयरधारक या ऐसे शेयरधारक के किसी सहयुक्त का निरीक्षण कर सकेगा, जाँचें और लेखापरीक्षा संचालित कर सकेगा, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992, अधिनियम और उनके अधीन बनाये गये नियमों के उपबंधों के अनुसार।

(2) जहाँ किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या उसमें व्यापारिक अधिकार रखने वाले किसी शेयरधारक या ऐसे शेयरधारक के किसी सहयुक्त का निरीक्षण बोर्ड द्वारा किया जाता है, वहाँ ऐसे मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या शेयरधारक या सहयुक्त का प्रत्येक प्रबंधक, प्रबंध निदेशक, अधिकारी और अन्य कर्मचारी बोर्ड के साथ सहयोग करेगा।

13. **व्यतिक्रम की दशा में कार्रवाई.**—अधिनियम या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 के उपबंधों के अधीन आर्थिक शास्त्रि अधिरोपित करने, अभियोजन आरंभ करने या निदेश जारी करने की शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, बोर्ड, ऐसे निदेश जारी कर सकेगा जैसा यह इक समझे, जिनमें सम्मिलित हैं—

(क) व्यापारिक अधिकार रखने वाले शेयरधारकों द्वारा धारित शेयरों, अधिनियम की धारा 4ख की उप-धारा (8) के भंग में, के विनिवेश का निदेश देना, ऐसी रीति में जो निदेश में विनिर्दिष्ट की जाए;

(ख) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में इक्विटी शेयर धारण करने वाले, विनियम 8 या 9 के उलंघन में, व्यक्ति को उसकी धारिता निर्निहित करने का निदेश देना, ऐसी रीति में जो निदेश में विनिर्दिष्ट की जाए;

(ग) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की विनिधानकर्ता (निवेशक) संरक्षण निधि के प्रति किन्हीं आगमों या प्रतिभूतियों के अंतरण का निदेश देना;

(घ) किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज, उसमें व्यापारिक अधिकार रखने वाले किसी शेयरधारक, ऐसे शेयरधारक के किसी सहयुक्त या ऐसे शेयरधारक से शेयरों के किसी अंतरिती को पूँजी बाजार में पहुँच रखने या प्रतिभूतियों में व्यौहार करने के विवर्जित करना ऐसी कालावधि के लिए जो बोर्ड द्वारा अवधारित की जाए।

[फा. सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/29/79623/2006]

एम. दामोदरन, अध्यक्ष

## SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

### NOTIFICATION

Mumbai, the 13th November, 2006

### Securities Contracts (Regulation) (Manner of increasing and Maintaining Public Shareholding in Recognised Stock Exchanges) Regulations, 2006

**S.O. 1950(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 31 read with sub-section (8) of Section 4B of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), the Board hereby makes the following regulations, namely:—

### CHAPTER I PRELIMINARY

**1. Short title and commencement.**—(1) These regulations may be called the Securities Contracts (Regulation) (Manner of Increasing and Maintaining Public Shareholding in Recognised Stock Exchanges) Regulations, 2006.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

**2. Definitions.**—(1) In these Regulations, unless the context otherwise requires:—

- (a) "Act" means the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956);
- (b) "associate" in relation to a shareholder having trading rights in a recognised stock exchange means a person—
  - (i) who directly or indirectly, by himself or in combination with other persons, exercises control over such shareholder or holds substantial shares entitling not less than fifteen per cent of the voting rights in such shareholder being a body corporate; or
  - (ii) over whom such shareholder, directly or indirectly, by itself or in combination with other persons, exercises control; or
  - (iii) whose director or partner is also a director or a partner of such shareholder, being a body corporate or a partnership firm, as the case may be; or
  - (iv) who is a holding company or subsidiary company of such shareholder or a company under the same management as such shareholder; or
  - (v) who is a relative of the shareholder being a natural person under Schedule I A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956); or
  - (vi) who is a sub-broker of the shareholder in that stock exchange; or
  - (vii) who acts in accordance with instructions of such shareholder in the exercise of voting rights and other rights in the recognised stock exchange, directly or indirectly.

- (c) "Board" means the Securities and Exchange Board of India established under provisions of Section 3 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);
- (d) "company" means a company as defined in Section 3 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (e) "control" has the meaning assigned to it in clause (c) of sub-regulation (1) of regulation 2 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 1997;
- (f) "offer for sale" means offer for sale of equity shares, by shareholders of a recognised stock exchange having trading rights therein to the public;
- (g) "private placement" means an issue of equity shares made by a recognised stock exchange on preferential basis and/or through private placement to any person or group of persons not being a shareholder having trading rights or an associate of any such shareholder, pursuant to a special resolution passed under sub-section (1A) of Section 81 of the Companies Act, 1956;
- (h) "public" includes any member or section of the public but does not include any shareholder of the recognised stock exchange having trading rights therein or any associate of such shareholder;
- (i) "scheme" means the scheme for corporatisation or demutualisation of a recognised stock exchange approved by the Board under section 4B of the Act.

(2) All other words and expressions used but not defined in these regulations, but defined in the Act or in the Companies Act, 1956 (1 of 1956) or in Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) or the rules and the regulations made thereunder or in the scheme, shall have the same meanings respectively assigned to them in such Acts or the Rules or the Regulations made thereunder or the scheme or any statutory modification or re-enactment thereto, as the case may be.

**3. Applicability.**—These Regulations shall be applicable to all recognised stock exchanges in respect of which the scheme for corporatisation or demutualisation has been approved by the Board under Section 4B of the Act.

## CHAPTER II

### MANNER OF INCREASING PUBLIC SHAREHOLDING

**4. Manner of increasing the public shareholding.**—Subject to the provisions of sub-section (8) of Section 4B of the Act and the scheme, the recognised stock exchange shall ensure that at least fifty-one percent of its equity share capital is held by the public, either by fresh issue of equity shares to the public through issue of prospectus or in the following manner:—

- (a) offer for sale, by issue of prospectus, of shares held by shareholders having trading rights therein;
- (b) placement of shares held by shareholders having trading rights to such persons or institutions as may be shortlisted by the recognised stock exchange with the approval of the Board;
- (c) issue of equity shares on private placement basis by the recognised stock exchange to any person or group of persons not being shareholders having trading rights or their associates subject to the approval of the Board; or
- (d) any combination of the above.

**5. Procedure for fresh issue of equity shares or offer for sale to the public.**—(1) Any fresh issue of equity shares or offer for sale to the public through a prospectus shall be in compliance with the provisions of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and Guidelines or Regulations of the Board relating to issue of capital.

(2) Where any fresh issue of equity shares or offer for sale to the public is made under clause (a) of regulation 4, an application for listing thereof shall be made to the same recognised stock exchange or any other recognised stock exchange and Section 73 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall apply to such application and the provisions of the Securities and Exchange Board of India (Disclosure and Investor Protection) Guidelines, 2000 (or any statutory modification or replacement thereof) relating to public issue shall as far as may be apply to such offer for sale.

(3) Listing of equity shares or other securities of a recognised stock exchange on the same recognised stock exchange shall be in compliance with such conditions as may be specified by the Board.

**6. Private placement.**—(1) Where a recognised stock exchange whose shares are not listed on any recognised stock exchange makes a private placement for the purposes of clause (c) of regulation 4, such private placement shall be in compliance with applicable legal provisions, including those of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and the Unlisted Public Companies (Preferential Allotment) Rules, 2003.

(2) Where a recognised stock exchange whose equity shares are listed on any recognised stock exchange, makes

a private placement of equity shares, such placement shall be in accordance with the provisions of the Companies Act, 1956 and Guidelines or Regulations of the Board relating to preferential issue of capital :

Provided that where a placement is made under sub-regulation (1) or sub regulation (2) to fifty or more persons, it shall be in compliance with provisions of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and Guidelines or Regulations of the Board relating to public issue of capital.

**7. Confirmation of compliance with Sub-section (8) of Section 4B.**—When the Board is satisfied that any recognised stock exchange has complied with the provisions sub-section (8) of Section 4B read with this Chapter, it shall issue a confirmation to the recognised stock exchange to that effect.

### CHAPTER III

#### SHARE HOLDING RESTRICTIONS

**8. Shareholding and transferability restrictions.**—(1) No person shall, directly or indirectly, acquire or hold more than five per cent in the paid up equity capital of a recognised stock exchange at any time after commencement of these regulations:

Provided that any person holding equity shares in a recognised stock exchange in excess of the limits specified in this regulation at the commencement of these regulations shall reduce his holding to ensure compliance with this regulation within the time specified in sub-section (8) of Section 4B of the Act or the time extended under the proviso thereto.

(2) No shareholder having trading rights in a recognised stock exchange shall, prior to issuance of the confirmation under regulation 7, transfer his shares in such recognised stock exchange to any person otherwise than in accordance with Chapter II.

**9. Eligibility criteria for persons acquiring or holding more than one per cent equity shares in a recognised stock exchange.**—(1) No person shall, either individually or together with persons acting in concert with him, acquire and/or hold more than one per cent of the paid up equity capital of a recognised stock exchange after commencement of these regulations, unless he is a fit and proper person and has taken prior approval of the Board for doing so.

(2) For the purpose of sub-regulation (1), a person shall be deemed to be a fit and proper person if—

(i) such person has a general reputation and record of fairness and integrity, including but not limited to—

- (a) financial integrity;
- (b) good reputation and character; and
- (c) honesty.

(ii) such person has not incurred any of the following disqualifications—

- (a) the person or any of its whole time directors or managing partners has been convicted by a Court for any offence involving moral turpitude or any economic offence, or any offence against the securities laws;
- (b) an order for winding up has been passed against the person;
- (c) the person or any of its whole time directors or managing partners has been declared insolvent and has not been discharged;
- (d) an order, restraining, prohibiting or debarring the person, or any of its whole time directors or managing partners from dealing in securities in the capital market or from accessing the capital market has been passed by the Board or any other regulatory authority and a period of three years from the date of the expiry of the period specified in the order has not elapsed;
- (e) any other order against the person or any of its whole time directors or managing partners which has a bearing on the capital market, has been passed by the Board or any other regulatory authority and a period of three years from the date of the order has not elapsed;
- (f) the person has been found to be of unsound mind by a Court of competent jurisdiction and the finding is in force; and
- (g) the person is financially not sound.

(3) If any question arises as to whether a person is a fit and proper person, the Board's decision on such question shall be final.

**10. Dematerialization.**—A recognised stock exchange which has issued equity shares or whose equity shares are offered for sale in the manner provided in these regulations shall—

- (a) enter into an agreement with the depositories for dematerialization of the equity shares proposed to be issued or proposed to be sold; and
- (b) it shall give an option to the subscribers or transferees to receive the share certificate or hold the shares in dematerialized form with a depository.

**11. Obligations of the recognised stock exchange.**—(1) A recognised stock exchange shall monitor and ensure:—

- (a) that no transfer or issue of equity shares therein is made otherwise than in accordance with these regulations;
- (b) that at least fifty-one per cent of its equity share capital is continuously held by the public; and
- (c) that the restrictions contained in regulations 8 and 9 are complied with in respect of the shareholding therein.

(2) Without prejudice to the provisions of the Act and the rules made thereunder, the recognised stock exchanges shall submit a report to the Board disclosing the following on a quarterly basis within fifteen days from the end of each quarter:—

- (a) the names of ten largest shareholders along with the number of shares held by them and their percentage shareholding;
- (b) the names of the shareholders falling under regulation 8 who had acquired shares in that quarter;
- (c) the shareholding pattern in the recognised stock exchange in such format as may be specified by the Board.

(3) The recognised stock exchange shall submit an undertaking confirming the compliance of the provisions of sub-regulation (1) to the Board on a quarterly basis within fifteen days from the end of each quarter.

(4) Notwithstanding anything contained in this regulation, the Board may from time to time call for any information from the recognised stock exchange, any shareholder having trading rights or any transferee of shares held by such shareholder, under the provisions of Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 and the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 and the rules and regulations made thereunder.

(5) Without prejudice to the provisions of the Companies Act, 1956, the recognised stock exchange shall maintain and preserve all the books, registers, other documents and records relating to, the issue or sale of equity shares under these regulations for a period of ten years.

**CHAPTER IV****POWERS OF THE BOARD**

**12. Power of Inspection.**—(1) The Board may at any time undertake inspection, conduct inquiries and audit of any recognised stock exchange or any shareholder having trading rights therein or any associate of such shareholder, in accordance with the provisions of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, the Act and the rules made thereunder.

(2) Where an inspection of any recognised stock exchange or any shareholder having trading rights therein or any associate of such shareholder is undertaken by the Board, every manager, managing director, officer and other employee of such recognised stock exchange or shareholder or associate shall co-operate with the Board.

**13. Action in case of default.** Without prejudice to power to impose monetary penalty, initiate prosecution or issue directions under the provisions of the Act or the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, the Board may, issue such directions as it deems fit, including—

- (a) directing disinvestment of shares held by shareholders having trading rights in breach of sub-section (8) of section 4 B of the Act, in such manner as may be specified in the direction;
- (b) directing a person holding equity shares in a recognised stock exchange in contravention of regulations 8 or 9 to divest his holding, in such manner as may be specified in the direction;
- (c) directing transfer of any proceeds or securities to the investors protection fund of a recognised stock exchange;
- (d) debarring any recognised stock exchange, any shareholder having trading rights therein, any associate of such shareholder or any transferee of shares from such shareholder from accessing the capital market or dealing in securities for such period as may be determined by the Board.

[F. No. SEBI/LAD/DOP/29/79623/2006]

M. DAMODARAN, Chairman